माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा 2023

विषय – व्यवसाय अध्ययन

विषय कोड– 31

कक्षा – 11

प्रश्न–पत्र	समय (घंटे)	प्रश्न–पत्र के लिए अंक	पूर्णांक
एक पत्र	3:15	100	100

भाग 1 : व्यवसाय के आधार Foundation of Business	
अध्याय 1 : व्यवसाय, व्यापार और वाणिज्य Business, trade and commerce	10
अध्याय 2 : व्यावसायिक संगठन के स्वरूप Forms of Business organisation	10
अध्याय 3 : निजी, सार्वजनिक एवं भूमंडलीय उपक्रम Private, public and Global Enterprises	6
अध्याय 4 : व्यावसायिक सेवाएँ Business Services	10
अध्याय 5 : व्यवसाय की उभरती पद्धतियाँ Emerging Modes of Business	6
अध्याय 6 : व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक नैतिकता Social Responsibilities of Business and Business Ethics	10
भाग 2 : व्यावसायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार Corporate Organisation, Finance and Trade	
अध्याय 7 : कम्पनी निर्माण Formation of a company	10
अध्याय 8 : व्यावसायिक वित्त के स्त्रोत Sources of Business Finance	10
अध्याय 9 : लघु व्यवसाय एवं उद्यमिता Small Business and Entrepreneurship	10
अध्याय 10 : आंतरिक व्यापार Internal Trade	10
अध्याय 11 : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार International Business	8

भाग 1 : व्यवसाय के आधार

अध्याय 1 : व्यवसाय, व्यापार और वाणिज्य : विषय प्रवेश, व्यापार और वाणिज्य का इतिहास, स्वदेशी बैंकिंग प्रणाली, मध्यस्थों का उदय, परिवहन, मजबूत व्यापारी समुदाय, मर्चेन्ट कॉरपोरेशन, प्रमुख व्यापारिक केन्द्र, प्रमुख निर्यात और आयात, भारतीय उप–महाद्वीप की विश्व अर्थव्यवस्था में स्थिति (1 ई. से 1191 ई. तक), भारत में पुनरौद्योगीकरण, व्यवसाय की अवधारणा, व्यावसायिक क्रियाओं की विशेषताएँ, व्यवसाय, पेशा तथा रोजगार में तुलना, व्यावसायिक क्रियाओं का वर्गीकरण, उद्योग, वाणिज्य, व्यापार, व्यापार के सहायक, व्यवसाय के उद्देश्य, व्यवसाय के बहुमुखी उद्देश्य, व्यावसायिक जोखिम, व्यावसायिक जोखिमों की प्रकृति, व्यावसायिक जोखिमों के कारण, व्यवसाय का आरंभ – मूल घटक।

अध्याय 2 : व्यावसायिक संगठन के स्वरूप : परिचय, एकल स्वामित्व, संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय, साझेदारी, साझेदारों के प्रकार, साझेदारी के प्रकार, साझेदारी संलेख, पंजीकरण, सहकारी संगठन, सहकारी समितियों के प्रकार, संयुक्त पूँजी कम्पनी, कम्पनियों के प्रकार, व्यावसायिक संगठन के स्वरूप का चयन।

अध्याय 3 : निजी, सार्वजनिक एवं भूमंडलीय उपक्रम : परिचय, निजी क्षेत्र एवं सार्वजनिक क्षेत्र, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के संगठनों के स्वरूप, विभागीय उपक्रम, वैधानिक निगम, सरकारी कम्पनी, सार्वजनिक क्षेत्र की बदलती भूमिका, भूमंडलीय उपक्रम, संयुक्त उपक्रम, संयुक्त उपक्रमों के प्रकार, लाभ, सार्वजनिक निजी भागीदारी (पी.पी.पी.)।

अध्याय 4 : व्यावसायिक सेवाएँ : परिचय, सेवाओं की प्रकृति, सेवाओं एवं वस्तुओं में अंतर, सेवाओं के प्रकार, व्यावसायिक सेवाएँ, बैंकिंग, बैंकों के प्रकार, वाणिज्यिक बैंक के कार्य, ई–बैंकिंग, बीमा, बीमा का आधारभूत सिद्धांत, बीमा के कार्य, बीमा के सिद्धांत, बीमा के प्रकार, संप्रेषण सेवाएँ, परिवहन, भंडारण।

अध्याय 5 : व्यवसाय की उभरती पद्धतियाँ : परिचय, ई–व्यवसाय, ई–व्यवसाय का कार्यक्षेत्र, ई व्यवसाय बनाम पारंपरिक व्यवसाय, ई–व्यवसाय के लाभ, ई–व्यवसाय की सीमाएँ, ऑनलाइन लेन–देन, ई–लेन–देनों की सुरक्षा एवं बचाव, सफल ई–व्यवसाय कार्यान्वयन के लिए आवश्यक संसाधन, बाह्यस्रोतीकरण – संकल्पना, बाह्यस्रोतीकरण का कार्यक्षेत्र, बाह्यस्रोतीकरण की आवश्यकता, बाह्यस्रोतीकरण के सरोकार।

अध्याय 6 : व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक नैतिकता : परिचय, सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा, सामाजिक उत्तरदायित्व की आवश्यकता, सामाजिक उत्तरदायित्व के पक्ष में तर्क, सामाजिक उत्तरदायित्व के विपक्ष में मुख्य तर्क, सामाजिक उत्तरदायित्व की यथार्थवादिता, सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रकार, व्यवसाय का विभिन्न संबंधित वर्गों के प्रति उत्तरदायित्व, व्यवसाय तथा पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण के कारण, प्रदूषण नियंत्रण की आवश्यकता, पर्यावरण संरक्षण में व्यवसाय की भूमिका, व्यावसायिक नैतिकता, व्यावसायिक नैतिकता की अवधारणा, व्यावसायिक नैतिकता के तत्व।

भाग 2 : व्यावसायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार

अध्याय 7 : कम्पनी निर्माण : परिचय, कम्पनी की संरचना, कम्पनी प्रवर्तन, समामेलन, पूँजी अभिदान

अध्याय 8 : व्यावसायिक वित्त के स्त्रोत : परिचय, व्यावसायिक वित्त का अर्थ, प्रकृति एवं महत्त्व, वित्त/धन के स्त्रोतों का वर्गीकरण, अवधि के आधार पर, स्वामित्व के आधार पर, आंतरिक एवं बाह्य सुविधओं के आधार पर, वित्त के स्त्रोत, संचित आय, व्यापारिक साख, आढ़त, लीज वित्तीयन, सार्वजनिक जमा, वाणिज्यिक पत्र, अंशों का निर्गमन, ऋण–पत्र, वाणिज्यिक बैंक, वित्तीय संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीयन, कोषों के स्त्रोत के चयन को प्रभावित करने वाले तत्त्व।

अध्याय 9 : लघु व्यवसाय एवं उद्यमिता : प्रस्तावना, लघु व्यवसाय के प्रकार, निर्माण, सेवाएँ, ग्रामीण उद्योग, कुटीर उद्योग, भारत में लघु व्यवसाय की भूमिका, ग्रामीण भारत में लघु

व्यवसाय की भूमिका, लघु व्यवसाय की समस्याएँ, लघु व्यवसाय इकाइयों को सरकारी सहायता, उद्यमिता की विशेषताएँ, स्टार्ट अप इंडिया योजना, स्टार्ट अप इंडिया की शुरुआत–कार्य बिन्दु, निधि स्टार्ट अप के तरीके, प्राज्ञ सम्पत्ति अधिकार, उद्यमियों हेतु प्राज्ञ सम्पत्ति अधिकार क्यों महत्वपूर्ण हैं ?, प्राज्ञ सम्पत्तियों के प्रकार ।

अध्याय 10 : आंतरिक व्यापार : परिचय, आंतरिक व्यापार, थोक व्यापार, विनिर्माताओं के प्रति सेवाएँ, फुटकर विक्रेताओं के प्रति सेवाएँ, फुटकर व्यापार, उत्पादकों एवं थोक विक्रेताओं की सेवाएँ, उपभोक्ताओं को सेवाएँ, माल एवं सेवा कर (जी.एस.टी.), फुटकर व्यापार के प्रकार, भ्रमणशील फुटकर विक्रेता, स्थायी दुकानदार, वाणिज्य एवं उद्योग संगठनों की आंतरिक व्यापार संवर्द्धन में भूमिका।

अध्याय 11 : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार : परिचय, अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय / व्यापार का अर्थ, अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय के कारण, अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय बनाम घरेलू व्यवसाय, अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय का क्षेत्र, अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय के लाभ, अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में प्रवेश की विधियाँ, आयात एवं निर्यात, संविदा विनिर्माण, अनुज्ञप्ति लाइसैंस एवं मताधिकारी, संयुक्त उपक्रम, संपूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाइयाँ/कंपनियाँ, आयात–निर्यात प्रक्रिया, निर्यात प्रक्रिया, आयात प्रक्रिया, विदेशी व्यापार प्रोन्नति–प्रोत्साहन एवं संगठनात्मक समर्थन, विदेशी व्यापार प्रोन्नति विधियाँ एवं योजनाएँ, संगठन समर्थन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संस्थान एवं व्यापार समझौते, विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.), विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ) एवं प्रमुख समझौते।

निर्धारित पुस्तक – व्यवसाय अध्ययन – एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अंतर्गत प्रकाशित

Business Studies - NCERT's Book Published under Copyright.